भारत सरकार

विदेश मंत्रालय

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या 3765

दिनांक 25.03.2022 को उत्तर देने के लिए

यूक्रेन को मानवीय सहायता

3765. श्री श्रीरंग आप्पा बारणे:

श्री रविन्दर कुशवाहाः

श्री रवि किशन:

श्री संजय सदाशिवराव मांडलिक:

श्री सुब्रत पाठक:

श्री प्रतापराव जाधव:

श्री धैर्यशील संभाजीराव माणे:

श्री सुधीर गुप्ता:

श्री बिद्युत बरन महतो:

क्या **विदेश मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या सरकार ने यूक्रेन को मानवीय सहायता भेजी है;

(ख) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और किस प्रकार की सहायता यूक्रेन को भेजी गई है;

(ग) क्या सरकार ने भारत में भारतीय और विदेशी प्रतिष्ठानों को यूक्रेन में कामगारों और पेशेवरों को भेजने की अनुमति दी है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(घ) राहत और पुनर्वास कार्यों के लिए अब तक युद्धग्रस्त यूक्रेन भेजे गए श्रमिकों की श्रेणी-वार संख्या कितनी है; और

(ङ) क्या सरकार ने रूस यूक्रेन युद्ध पर कोई राजनयिक कदम उठाए हैं/पहल की है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर

विदेश राज्य मंत्री

(श्रीमती मीनाक्षी लेखी)

(क) और (ख) भारत सरकार ने यूक्रेन को लगभग 60 टन मानवीय सहायता भेजी है। इनमें दवाएं, टेंट, कंबल, तिरपाल, दस्ताने, सुरक्षात्मक चश्मे, सोलर लैंप, डिग्निटी किट, और स्लीपिंग मैट शामिल हैं।

(ग) और (घ) इस मंत्रालय के पास उपलब्ध सूचना के अनुसार सरकार से ऐसी कोई अनुमति नहीं मांगी गई है। वास्तव में, भारत ने परामर्शी जारी करके अपने नागरिकों को यूक्रेन छोड़ने के लिए कहा है।

(ड़) सरकार विभिन्न स्तरों पर रूस और यूक्रेन के संपर्क में है। प्रधानमंत्री ने कई अवसरों पर रूस और यूक्रेन के राष्ट्रपतियों से बात की है। उन्होंने शत्रुता को तत्काल समाप्त करने और संघर्ष के समाधान के लिए कूटनीति और बातचीत के रास्ते पर लौटने का आग्रह किया है। विदेश मंत्री इसी तरह के कारणों से रूस और यूक्रेन के अपने समकक्षों के लगातार संपर्क में है। विदेश सचिव ने नई दिल्ली में रूस और यूक्रेन के राजदूतों के साथ संपर्क बनाए रखा, जबकि कीव और मॉस्को में राजदूतों ने अपनी संबंधित राजधानियों में अनुवर्ती कार्रवाई की।

***